

— वि 1) *ausstreuen, ausschütten, schleudern, ausbreiten, auseinanderwerfen, zerstreuen*: तण्डुलकणान्विकीर्य Hit. 9, 14. विकीरेष्वसं ग-  
वाम् M. 11, 196. अन्नाद्यम् — समुत्सृजेदुक्तवतामग्रतो विकीरेन्नुवि 3, 244.  
Jāgñ. 1, 240. वर्मान् तोषं यनवद्यकारित् Bhatt. 1, 3. हृमान्विकारुः 14,  
25. शरान्, द्रुमशैलम्, भूधरान्, अस्त्रे 39, 15, 42, 45, 92. द्वितीयपुष्पप्रकारो व्य-  
कीर्यत Rīgā-Tar. 5, 360. सपत्नान्विकीरन् MBh. 4, 1677. विकीर्णरिमिहो-  
त्रैः 3, 8747. विकीर्णरिव पर्वतैः Arg. 9, 18. अवकरनिकरं विकीरति (*zer-  
scharren*) तत्किं कृत्वाकुरिव हेमः Bhatt. Suppl. 21. विकीर्य केशान्वि-  
गन्तस्त्रजः *die Haare auseinanderfallen lassen* Bhāg. P. 6, 14, 52. विकी-  
र्णमूर्धना *mit aufgelösten Haaren* Kumāras. 4, 4. Bhāg. P. 1, 19, 27. Sch.  
zu Çāk. 29. विकीरति मुहुः आसात् *Seufzer von sich geben* Gt. 5, 16. —  
2) *zerreißen, zerspalten, zersplittern, sprengen*: सो ऽविद्याग्रन्थं विकीर-  
तीह Mēd. Up. 2, 1, 10. बहुधा विकीर्णः (धनाः) R. 3, 34, 25. विकीर्णं च पर्वतः  
36, 39. जन्मनये भिन्नविकीर्णदेहे मृत्युं पुनर्गच्छति जन्मनैव MBh. 14, 884.  
— 3) *bestreuen, beschütten, erfüllen*: तिलैश्च विकीरेन्महोम् M. 3, 234.  
MBh. 3, 15326. Suçr. 2, 317, 13. Bhāg. P. 1, 10, 18. अरुमेनान् — विकीर-  
ज्जैः MBh. 1, 7087. रत्नोष्णविकीर्णानि (*voll von*) तीर्थानि 3, 8260. Der  
loc. st. des acc.: भूमौ व्यकीरन्प्रसूतैः Bhāg. P. 1, 19, 18. — 4) *bewerfen,  
besudeln, schmähen (?)*: अनार्य इति मामार्याः पुत्रविकीर्यकं ध्रुवम् । विक-  
रिष्यति रघ्यामु सुरायं ब्राह्मणं यथा R. 2, 12, 73. West. zieht die Form  
zu 1. कर mit der Bed. *respuere, spernere*.

— अनुवि *bestreuen*: सिकताभिः Çat. Br. 3, 3, 36.

— प्रवि *auseinanderstreuen, auseinanderwerfen, auseinanderfallen  
lassen, verbreiten*: बहुश्च द्यौर्धान्प्रविकीर्य मूर्धनान् MBh. 4, 298. प्रविकी-  
र्णभूषण R. 5, 42, 19. विषं शरीरे प्रविकीर्णमात्रम् Suçr. 2, 293, 1. Çāk. Cu.  
128, 16.

— सम् 1) *ausgiessen, reichlich verleihen*: सं सहस्रा कारिष्यच्चरिण्य  
आ RV. 6, 48, 15. गामश्चं रथ्यमिन्द्र सं किर 46, 2. AV. 3, 23, 5. सं दाग्रुषे  
किरतु भूरि वामम् TS. 3, 3, 11, 5. — 2) *voll machen, erfüllen*: संकीर्णं er-  
füllt, *voll von* AK. 3, 2, 35. 3, 4, 13, 59. H. 1472. an. 3, 229. MED. n. 82.  
अस्थिकङ्कालसंकीर्णा (भू) MBh. 1, 7673. 3, 1741. अनेकजनसंकीर्णान्ध्रामान्  
Rīgā-Tar. 5, 103. — 3) *zusammenmischen, vermengen*: न संकीरितद्वं च  
MBh. 13, 6232. *pass. sich vermengen, drunter und drüber gehen*: ब्राह्म-  
णाः क्षत्रिया वैश्याः संकीर्यते परस्परम् MBh. 3, 13025. संकीर्यते ततः प्र-  
जाः 13736. धर्मः संकीर्यते 13735. संकीर्णं *untereinander gemengt, zu ver-  
schiedenen Kasten gehörig; durch Berührung verunreinigt, befleckt, un-  
rein, aus einer gemischten Ehe geboren* AK. 2, 10, 1. 3, 4, 13, 59. H. an.  
3, 229. MED. n. 82. संकीर्णमलपङ्क Daçak. in Benf. Chr. 183, 3. संकीर्ण-  
वर्णरुचिर् वचनम् KAURAP. 24. योनिषु संकीर्णान् MBh. 13, 2612. संकीर्ण-  
यानि 4369. M. 10, 25. वैश्यप्रह्लापचारं च संकीर्णानां च संभवम् 1, 416.  
MBh. 13, 2604. यत्र यत्र च संकीर्णमात्मानं (*befleckt*) मन्यते द्विजः । तत्र तत्र  
तिलैर्हेमो गायत्र्या वचनं तया ॥ Jāgñ. 3, 310. संकीर्णकर्मन् MBh. 13, 3122.  
संकीर्णचारधर्म 1, 3479. राजवृत्तमसंकीर्णम् R. 4, 16, 25. संकीर्णधर्मवृत्ति 26.  
— Vgl. संकर, संकुल.

4. कर (कृ, कृ), कृणीति und कृणीति, कृणीति und कृणीति *verletzen,  
töden* Duātup. 31, 15, 26. 27, 7. अकरोष्ट, अकरोष्ट, अकरोष्ट; करिषीष्ट,  
कीरीष्ट Vop. 16, 2. कृष्वति (वधकर्मन्) Naigh. 2, 19. कीर्णं *verletzt, getö-  
tet* H. an. 2, 136. MED. n. 6. Auch कृत H. an. 2, 163. MED. l. 11. कर्तुम्

MBh. 1, 7022 zieht West. mit einem Fragezeichen hierher, es gehört  
aber zu 1. कर.

5. कर (कृ), कारयते *erkennen* Duātup. 33, 33, v. l. für गर (गृ).

1. कर (von 1. कर) 1) adj. *thuend, ausführend, bereitend* AV. 12, 2,  
2. Am Ende eines comp. *machend, bewirkend*; f. ई P. 3, 2, 20. fgg. Vop.  
26, 47. H. 5. अनुदेगकर M. 2, 47. वृद्धिवृद्धि 4, 19. अतुष्टि 217. सत्त्व-  
वृद्धि 259. श्रेयस्कर 8, 136. वैर 9, 227. पित 9, 219, 14. वलवर्ण 246,  
18. मार्दव 156, 2. निद्रा, शीत 176, 3. अयशस्करी Hip. 3, 18. पशु-  
वृद्धिकरी M. 7, 212. PAÑKAT. III, 82. संपत्कारि IV, 36. सेतुभेदकरी Jāgñ.  
2, 278. विधमकरी Sāh. D. 41, 13. अतकरा (!) R. 3, 43, 28. शंकरा P. 3, 2,  
14, Vārtt. Häufig in comp. mit einem acc. P. 3, 2, 43. fgg.; vgl. अय-  
कर, उभयकर, स्थितकर, किंकर, सेमकर, खंकर, प्रियकर, भयकर, म-  
दंकर, मेवकर, वशंकर. Alle diese comp. sind oxytona, desgleichen die  
mit adv. zusammengesetzten सत्राकर und दिवाकर; dagegen सुतेकर  
*beim Opfer thätig*. — 2) m. a) *Hand (die vor Allem thätige)* AK. 3, 4, 23,  
166. H. 591. an. 2, 399. MED. r. 12. (वलम्) करेणैव वि चैकर्ता रवेण RV.  
10, 67, 6. M. 3, 136. INDR. 2, 25. MBh. 3, 374. Daç. 1, 32. Viçv. 6, 19. Suçr.  
1, 109, 10. 113, 17. Hit. I, 168. Çāk. 22, 140. Ragh. 2, 31. दक्षिणे तौ करे  
सुधुं मुन्दे जग्राह पाणिना SUND. 4, 12. तस्या जग्राह — *कर्म* (bei der  
Hochzeit) KATHA. 16, 79. मुमोच च कतोदाहः कराद्वत्सेधरो वधूम् 82. क-  
रसंपीडनं कृत्वा MBh. 2, 904. प्रसारितकर Hit. I, 46. प्राद्वते दक्षिणे करे  
AK. 2, 7, 49. H. 843. करधत्त Megh. 42. करयाहं (absol.) गृह्णाति, *करवते*  
*वर्तयति* P. 3, 4, 39. Sch. *करकमल* Rt. 3, 23. *करकंजसंपुट* Bhāg. P. 1, 11,  
2. *करसाद* *das Erschlaffen der Hände* (zugleich auch *das Mattwerden*  
*der Strahlen*) PAÑKAT. I, 194. *करपाददत्तः* (gen. sg.) *der Hände, Füße und*  
*Zähne* Jāgñ. 2, 219. Als Längenmaass ist die *Hand* = 24 *Daumenbrei-  
ten* H. 887, 134. COLEBR. Alg. 2. — b) *die Hand des Elephanten* ist sein  
*Rüssel* H. 1224. H. an. MED. N. (BOPP) 13, 12. MBh. 1, 8153. Hit. 41, 16.  
गजकर MBh. 3, 374. R. 3, 32, 32. *करिकर* PAÑKAT. III, 233.

2. कर (wie oben) m. *das Machen* P. 3, 3, 57. Sch. Am Ende einiger  
adj. comp.: *इयत्कर* und *सुत्कर* *leicht zu vollbringen*, *डुत्कर* *schwer zu*  
*vollbringen* P. 3, 3, 126. 2, 3, 69. 6, 2, 139. *इषदाब्धकर* *leicht reich zu ma-  
chen* 3, 3, 127. Sch.

3. कर (von 2. कर) adj. *andächtig*: अज्ञोद्वीनास्तया करा वीं मुहे वा-  
मेन्पुरुषा पुरंधिः RV. 1, 116, 13. Sāh. identif. das Wort mit 1. कर 1.  
und hält die Form für einen du.

4. कर (von 3. कर) m. 1) *Lichtstrahl* AK. 1, 1, 2, 35. 3, 4, 2, 19. 25, 166.  
H. 100. an. 2, 399. MED. r. 12. दिनकरः करैस्तापयते जगत् R. 6, 11, 44.  
Megh. 40. सूर्यकर PAÑKAT. 37, 20. पूषकर Kāt. 7. अर्धकर DEV. 10, 13. हि-  
मकरकर DHŪRTAS. 92, 7. दशशतकरधारी (विधुः) ad Hit. I, 17. *करसाद* *das*  
*Mattwerden der Strahlen* (und auch *der Hände*) PAÑKAT. I, 194. *करसरुख*  
*(Strahl und Hand)* Çiç. 9, 6. Vgl. उज्जकर und किरण. — 2) *Hagel* H.  
an. MED. Vgl. करक 2. — 3) *Abgabe, Tribut* AK. 2, 8, 1, 27. 3, 4, 23, 166.  
26, 197. H. 743. H. an. MED. राष्ट्रं कल्पयेत्सततं करान् M. 7, 128. तथा-  
त्पात्यो ग्रहीतव्यो राष्ट्राज्ञाब्दकः करः 129. यस्माद्भूतयसौ करान्  
Jāgñ. 1, 336. करेत्करं राष्ट्रात् M. 9, 305. य उद्वेत्करं राजा Bhāg. P. 4, 21,  
23. *करहार* adj. 20, 14. अग्रिमाणो ऽप्यादीत न राजा श्रोत्रियात्करम्  
M. 7, 133. 8, 307. करं तेभ्य उपादाय MBh. 2, 1113. *करस्तस्मै प्रदीयताम्*